Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

BMU IN NEWS
BABA MASTNATH UNIVERSITY

23 Jan., 2022
Sunday
Page No.1

दैनिक भास्कर

कोरोनाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में ई-लाइब्रेरी के योगदान विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोविड के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई- लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आज समापन किया गया। जिसमें तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए। इस संगोष्ठी में तेरह राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया के डॉ. दलबीर अहलावत ने ई-लाइब्रेरी के महत्व को बताने के साथ साथ साइबर क्राइम से बचने की सलाह दी। इससे आज भारत न्यूजीलैंड आदि जैसे देश प्रभावित हो रहे हैं। केनिया के डॉ. डेनियल डब्लू मुथी ने पुस्तकालय विज्ञान के नवाचारों के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। जेपीश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान ने शोधकार्य में साहित्यिक चोरी से किस प्रकार बचा जा सकता है इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ अंजना राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब से मानव समाज की संरचना हुई है तब से लेकर आज तक प्रकृति ने मनुष्य के सामने जब भी जीवनयापन को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह, परीक्षा नियंत्रक मुकेश सिंगला, सलाहकार श्री ओपी सचदेवा, चिकित्सा प्रभारी, डॉ. ललित कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉक्टर नवीन कुमार शर्मा, डॉ.सुभाष चंद्र गुप्ता,मानविकी संकाय की अधिष्ठाता डॉ. आशासहारण, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रवि राणा, आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज खरे,हॉस्पिटल मैनेजर डॉ. नवदीप बिस्ला, डॉ. जे के शर्मा, डॉ.यशपाल सिंह, डॉ. ब्रह्म प्रकाश डिप्टी डीन डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. मनोज कुमार डॉ. सोनिया सरोहा सहित सभी विभागों के अधिष्ठाता,विभागअध्यक्ष, एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

रोहतक केसरी

कोराना काल में ई-लाइब्रेरी का पढ़ाई में अहम योगदान : प्रो. रमेश कुमार

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोरोनाकाल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई- लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर हुई संगोष्ठी

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोरोना के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई-लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हुआ। इसमें तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में 13 राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया के डॉ. दलबीर अहलावत ने ई-लाइब्रेरी के महत्व को बताने के साथ साथ साइबर क्राइम से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे भारत के साथ न्यूजीलैंड जैसे देश भी प्रभावित हैं। केनिया के डॉ. डेनियल डब्लू मुथी ने पुस्तकालय विज्ञान के नवाचारों के विषय में विचार व्यक्त किए। जेपीश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान ने शोधकार्य में साहित्यिक चोरी के बचने की जानकारी दी। मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने कहा कि जब से मानव समाज की संरचना हुई है तब से प्रकृति ने मनुष्य के सामने जब भी जीवनयापन को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं, हमने बड़ी ही सूझबूझ से उनका मुकाबला किया है। वर्तमान में समाज कोरोना से जूझ रहा है। जब पहला लॉकडाउन लगा था तब से लेकर अब तक इंटरनेट के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसकी वजह से छात्र घर पर बैठकर ही अपनी शिक्षा को पूर्ण कर पा रहे हैं।

संगोष्ठी के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. नरेंद्र चिमनी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सीमा शर्मा और डॉ. जितेंद्र कुमार का अहम योगदान रहा: मंच संचालन सहायक प्रोफेसर, डॉ. अलकेश दलाल ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ इंद्रजीत सिंह, परीक्षा नियंत्रक मुकेश सिंगला, सलाहकार ओपी सचदेवा, चिकित्सा प्रभारी, डॉ. ललित कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉक्टर नवीन कुमार शर्मा, डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता, मानविकी संकाय की अधिष्ठाता डॉ. आशासहारण, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रवि राणा, आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज खरे, हॉस्पिटल मैनेजर डॉ. नवदीप बिस्ला, डॉ. जेके शर्मा, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. ब्रह्म प्रकाश डिप्टी डीन डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. मनोज कुमार डॉ. सोनिया सरोहा आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

कोराना काल में ई-लाइब्रेरी का पढ़ाई में अहम योगदान : प्रो. रमेश कुमार

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोरोनाकाल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई- लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर हुई संगोष्ठी

भाई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोरोना के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई-लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हुआ। इसमें तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में 13 राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया के डॉ. दलबीर अहलावत ने ई-लाइब्रेरी के महत्व बताने के साथ साइबर क्राइम से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे भारत के साथ न्यूजीलैंड जैसे देश भी प्रभावित हैं। केनिया के डॉ. डेनियल डब्लू मुथी ने पुस्तकालय विज्ञान के नवाचारों के विषय में विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार यादव ने कहा कि संगोष्ठी में तीन देशों के अलावा भारत के 13 राज्यों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उन्होंने पुस्तकालयों का महत्व बताते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में पुस्तकें परम मित्र होती हैं। कोरोना काल में ई-लाइब्रेरी का पढ़ाई में अहम योगदान रहा है। जेपीश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान ने शोधकार्य में साहित्यिक चोरी से बचने की जानकारी दी। मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने कहा कि जब से मानव समाज की संरचना हुई है तब से प्रकृति ने मनुष्य के सामने जब भी जीवनयापन को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं, हमने सूझबूझ से उनका मुकाबला किया है। वर्तमान में समाज कोरोना से जूझ रहा है। जब पहला लॉकडाउन लगा था तब से लेकर अब तक इंटरनेट के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसकी वजह से छात्र घर पर बैठकर ही अपनी शिक्षा को पूर्ण कर पा रहे हैं।

संगोष्ठी के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. नरेंद्र चिमनी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सीमा शर्मा और डॉ. जितेंद्र कुमार का अहम योगदान रहा: मंच संचालन सहायक प्रोफेसर, डॉ. अलकेश दलाल ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ इंद्रजीत सिंह, परीक्षा नियंत्रक मुकेश सिंगला, सलाहकार ओपी सचदेवा, चिकित्सा प्रभारी, डॉ. ललित कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉक्टर नवीन कुमार शर्मा, डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता, मानविकी संकाय की अधिष्ठाता डॉ. आशासहारण, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रवि राणा, आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज खरे, हॉस्पिटल मैनेजर डॉ. नवदीप बिस्ला, डॉ. जेके शर्मा, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. ब्रह्म प्रकाश डिप्टी डीन डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. मनोज कुमार डॉ. सोनिया सरोहा आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

कोरोना काल में ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान

■ संगोष्ठी में तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए और 13 राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोविड के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई-लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। संगोष्ठी में तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए और 13 राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया के डॉ. दलबीर अहलावत ने ई-लाइब्रेरी के महत्व को बताने के साथ-साथ साइबर क्राइम से बचने से संबंधित जानकारी दी। जिससे आज भारत न्यूजीलैंड आदि जैसे देश प्रभावित हो रहे हैं। वहीं केनिया के डॉ. डेनियल डब्लू मुथी ने पुस्तकालय विज्ञान के नवाचारों के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। गुरु जेपीश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान ने शोधकार्य में साहित्यिक चोरी से किस प्रकार बचा जा सकता है इसके बारे में बताया।

रोहतक। संगोष्ठी के दौरान स्मोषित करते प्रवक्ता। फोटो: हरिभूमि

छात्र घर बैठे-बैठे ही पढ़ रहे

कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने कहा कि जब से मानव समाज की संरचना हुई है, तब से लेकर आज तक प्रकृति ने मनुष्य के सामने जब भी जीवनयापन को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं, हमने बड़ी ही सूझबूझ से उन चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। उन्होंने कहा कि आज भी वही समय है जब कोरोना महामारी से हमारा समाज जूझ रहा है। जब पहला लॉकडाउन लगा था तब से लेकर आज तक इंटरनेट के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिसकी वजह से छात्र घर पर बैठकर ही अपनी आगे की शिक्षा को पूर्ण कर पा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में पुस्तकें परम मित्र होती हैं। कोराना काल में ई-लाइब्रेरी का हमारे पठन-पाठन में अहम योगदान रहा है। ई लाइब्रेरी से विद्यार्थियों को बहुत फायदा होगा है। वे घर बैठे बैठे ही अपने विषय की पुस्तक पढ़ सकते हैं और अन्य ज्ञानवर्धक जानकारी भी हासिल कर सकते हैं। कोरोना काल में ई लाइब्रेरी का महत्व और भी बढ़ जाता है। संगोष्ठी के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. नरेंद्र चिमनी, असिस्टेंट प्रो. डॉ. सीमा शर्मा और डॉ. जितेंद्र कुमार का अहम योगदान रहा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. अलकेश दलाल, कुलसचिव डॉ. ईंद्रजीत सिंह, परीक्षा नियंत्रक मुकेश सिंगला, सलाहकार ओपी सचदेवा, चिकित्सा प्रभारी डॉ. ललित कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. नवीन कुमार शर्मा, डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता, मानविकी संकाय की अधिष्ठाता डॉ. आशा सहारण, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रवि राणा, आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज खरे, डॉ. नवदीप बिस्ला, डॉ. जेके शर्मा, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. ब्रह्म प्रकाश डिप्टी डीन, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सोनिया सरोहा सहित अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक उजाला आज तक

कोरोनाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में ई-लाइब्रेरी के योगदान विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

उजाला आजतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोविड के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई- लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आज समापन किया गया। जिसमें तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए। इस संगोष्ठी में तेरह राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया के डॉ. दलबीर अहलावत ने ई-लाइब्रेरी के महत्व को बताने के साथ साथ साइबर क्राइम से बचने की सलाह दी। जिससे आज भारत न्यूजीलैंड आदि जैसे देश प्रभावित हो रहे हैं।

केनिया के डॉ. डेनियल डब्लू मुथी ने पुस्तकालय विज्ञान के नवाचारों के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। जेपीश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान ने शोधकार्य में साहित्यिक चोरी से किस प्रकार बचा जा सकता है इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ अंजना राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब से मानव समाज की संरचना हुई है तब से लेकर आज तक प्रकृति ने मनुष्य के सामने जब भी जीवनयापन को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं हमने बड़ी ही सूझबूझ से उन चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। आज भी वही समय है जब कोरोना महामारी से समाज समाज जूझ रहा है। जब पहला लॉकडाउन लगा था तब से लेकर अब तक इंटरनेट के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है इसकी वजह से छात्र घर पर बैठकर ही अपनी आगे की शिक्षा को पूर्ण कर पा रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) रमेश कुमार यादव ने कहा कि आज इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तीन देशों के अलावा भारत के तेरह राज्यों के प्रतिभागी भी इस संगोष्ठी में भाग ले रहे हैं मैं उन सभी का स्वस्थ से स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में पुस्तकालयों का महत्व बताते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में पुस्तकें परम मित्र होती हैं। कोराना काल में ई-लाइब्रेरी का हमारे पठन-पाठन में अहम योगदान रहा है।

संगोष्ठी के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. नरेंद्र चिमनी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सीमा शर्मा और डॉ. जितेन्द्र कुमार का अहम योगदान रहा। मंच संचालन सहायक प्रोफेसर, डॉ.अलकेश दलाल ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.ईंद्रजीत सिंह,परीक्षा नियंत्रक मुकेश सिंगला, सलाहकार श्री ओपी सचदेवा, चिकित्सा प्रभारी, डॉ. ललित कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉक्टर नवीन कुमार शर्मा, डॉ.सुभाष चंद्र गुप्ता,मानविकी संकाय की अधिष्ठाता डॉ. आशासहारण, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रवि राणा, आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज खरे,हॉस्पिटल मैनेजर डॉ. नवदीप बिस्ला, डॉ. जे के शर्मा, डॉ.यशपाल सिंह, डॉ. ब्रह्म प्रकाश डिप्टी डीन डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. मनोज कुमार डॉ. सोनिया सरोहा सहित सभी विभागों के अधिष्ठाता,विभागअध्यक्ष, एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

दैनिक सवेरा

ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान : डा. अजना राव

रोहतक, 22 जनवरी (नवीन मलिक): बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कोविड के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में ई-लाइब्रेरी की भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शनिवार को समाप्त हो गई। तीन देशों के शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए, जिसमें तेरह राज्यों के 275 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा पाया लिया। मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया के डा. दलबीर अहलावत ने ई-लाइब्रेरी के महत्व को बताने के साथ साथ साइबर क्राइम से बचने की सलाह दी। जिससे आज भारत न्यूजीलैंड आदि जैसे देश प्रभावित हो रहे हैं। केनिया के डा. डेनियल डब्लू मुथी ने पुस्तकालय विज्ञान के नवाचारों के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। जेपीश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के डा. नरेंद्र कुमार चौहान ने शोधकार्य में साहित्यिक चोरी से किस प्रकार बचा जा सकता है इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय कुलाधिपति प्रतिनिधि डा अंजना राव ने कहा कि जब से मानव समाज की संरचना हुई है तब से लेकर आज तक प्रकृति ने मनुष्य के सामने जब भी जीवनयापन को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं हमने बड़ी ही सूझबूझ से उन चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। आज भी वही समय है जब कोरोना महामारी से समाज समाज जूझ रहा है। वर्तमान में समाज कोरोना से जूझ रहा है। जब पहला लॉकडाउन लगा था तब से लेकर अब तक इंटरनेट के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में ई-लाइब्रेरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसकी वजह से छात्र घर पर बैठकर ही अपनी शिक्षा को पूर्ण कर पा रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रमेश कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में पुस्तकें परम मित्र होती हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डा. इन्द्रजीत सिंह, डा. नरेंद्र चिमनी, डा. सीमा शर्मा, डा. जितेन्द्र कुमार, डा.अलकेश दलाल, मुकेश सिंगला, ओपी सचदेवा, डा. ललित कुमार, नवीन कुमार शर्मा, डा. सुभाष चंद्र गुप्ता, डा. आशासहारण, डा. रवि राणा, डा. नीरज खरे, डा. नवदीप बिस्ला, डा. जे के शर्मा, डा.यशपाल सिंह, डा. ब्रह्म प्रकाश, डा. सुधीर मलिक, डा. मनोज कुमार, डा. सोनिया सरोहा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।